प्राचार्य की कलम से

आदिवासी क्षेत्र में स्थित इस महाविद्यालय की स्थापना 04 सितम्बर 1984 को हुई थी। कला संकाय के साथ प्रारंभ इस महाविद्यालय में 1986 में वाणिज्य एवं 1987 में विज्ञान संकाय की कक्षाएँ प्रारंभ की गई। क्षेत्र के विद्यार्थियों की माँग को संज्ञान में लेते हुए राज्य-शासन नें सत्र 1997-98 में इतिहास विषय में एवं सत्र 2005-06 में हिन्दी विषय में स्नातकोत्तर की कक्षाएँ प्रारंभ करने की अनुमति प्रदान की। लम्बे अन्तराल के बाद सत्र 2016-17 में PGDCA, सत्र 2017-18 से स्नातक स्तर पर नवीन विषय भूगोल एवं सत्र 2018-19 से समाजशास्त्र एवं राजनीति विज्ञान में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ करने की अनुमति प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजनान्तर्गत भी यह महाविद्यालय निःशुल्क रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम संचालन हेतु पंजीबद्ध है।

छत्तीसगढ़ शासन नें 13 जून 2008 को इस क्षेत्र के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुखराम नागे को यथोचित सम्मान एवं श्रद्धांजली प्रदान करते हुए इस महाविद्यालय का नामकरण "शासकीय सुखराम नागे महाविद्यालय, नगरी" किया।

महाविद्यालय में रिक्त पदों एवं सीमित सुविधाओं के बावजूद महाविद्यालय के अध्यापक वर्ग एवं कार्यालयीन कर्मचारियों के अथक प्रयास से यह महाविद्यालय स्तरीय शिक्षा प्रदान करने एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु सतत प्रयासरत है। सत्र 2013-14 में एम.ए. इतिहास की छात्रा शोभना सेन नें एवं सत्र 2016-17 में एम.ए. हिन्दी की छात्रा चन्द्रेश साहू ने प्रावीण्य-सूची में प्रथम के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त कर न केवल महाविद्यालय का अपितु इस पूरे क्षेत्र का नाम रौशन किया है। महाविद्यालय परिवार इन होनहार विद्यार्थियों के स्वर्णिम भविष्य की कामना करता है।

इस महाविद्यालय के विद्यार्थी खेल-कूद, समाज सेवा एवं अन्य पाठ्येत्तर गतिविधियों में भी पूर्ण जागरूकता के साथ अपना योगदान देते रहे हैं। स्वच्छता अभियान, विश्व एड्स दिवस, राष्ट्रीय मतदाता जागरूकता अभियान, वृक्षारोपण कार्यक्रम, खेल-कूद समारोह, गणित दिवस, हिन्दी-दिवस, वार्षिकोत्सव, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस आदि अवसरों पर महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में छात्र संगठन एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र-छात्राओं की सक्रीय सहभागिता सर्वत्र सराहनीय है। महाविद्याय में स्नेह सम्मेलन के अवसर पर मुख्य-अतिथि के रूप में पधारे माननीय कुलपति प्रोफेसर शिव कुमार पांडे, गणित दिवस पर मुख्य-वक्ता, गणित अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. बलवंत सिंग ठाकुर एवं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर उपस्थित छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के निदेशक प्रो. एम.एम. हम्बर्डे व रसायन-शास्त्र अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, के अध्यक्ष प्रो. के.के. घोष एवं राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (RUSA) के अन्तर्गत Capacity Building पर आयोजित कार्यशाला के अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के प्राध्यापक प्रो. के.के. घोष एवं प्रो. ए.के. गुप्ता तथा छात्र-छात्राओं से विशेष संवाद हेतु महाविद्यालय में पधारे अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पत्रकार Chritopher Conte (Knight International Journalism Fellow, India and Uganda) एवं महाविद्यालय में समय-समय पर पधारे विशिष्ट अतिथियों, जनप्रतिनिधियों एवं ओजस्वी वक्ताओं के सारगर्भित उद्बोधनों से छात्र-छात्राओं में नवीन ऊर्जा का संचार हुआ है।

यह महाविद्यालय विकास के विभिन्न आयामों को छूने का भरसक प्रयास कर रहा है। महाविद्यालय के समस्याओं के समाधान में स्थानीय विधायक महोदय एवं अन्य जनप्रतिनिधियों का, महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के सदस्यों का एवं अध्यक्ष श्रीमती प्रेमलता नागवंशी का सक्रिय सहयोग एवं मार्गदर्शन हमेशा प्राप्त होता रहा है। महाविद्यालय परिवार को पूर्ण विश्वास है कि महाविद्यालय की इस विकास-यात्रा में क्षेत्र की जनता एवं जनप्रतिनिधियों का सक्रिय सहयोग तथा मार्गदर्शन हमेशा की तरह भविष्य में भी प्राप्त होता रहेगा।